अनुक्रमणिका

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन _____ v - x

ऋणनिर्देश _____ xi - xii

अनुक्रमणिका _____ xiii - xvii

प्रथम अध्याय : "गिरिराज किशोर का जीवन परिचय एवं रचना संसार 1 -14

1.1 जीवन परिचय

1.1.1 जन्म

1.2.3 परिवार

1.1.4 शिक्षा

1.1.5 नौकरी

1.1.6 विवाह

1.2 रचना संसार

1.2.1. नाटक

1.2.2 उपन्यास

1.2.3 कहानी

1.2 4 एकांकी

1.2.5 नाटक संग्रह

1.2.6 आलोचना

1.2.7 बाल साहित्य

1.2.8 अनुदित रचनाएँ

1.3 साक्षात्कार

1.4 सम्मान एवं पुरस्कार

निष्कर्ष

दवितीय अध्याय : "गिरीराज किशोर के नाटकों का सामान्य परिचय" 15-46

2.1 'नरमेध' नाटक का सामान्य परिचय

2.2 'प्रजा ही रहने दो' नाटक का सामान्य परिचय

2.3 'घास और घोड़ा' नाटक का सामान्य परिचय

2.4 'चेहरे - चेहरे किसके चेहरे' नाटक का सामान्य परिचय

2.5 'केवल मेरा नाम लो' नाटक का सामान्य परिचय

2.6 'जुर्म आयद' नाटक का सामान्य परिचय

2.7 'काठ की तोप' नाटक का सामान्य परिचय

निष्कर्ष

तृतीय अध्याय : "गिरिराज किशोर के नाटकों में चित्रित समस्याएँ" 47 - 106

3.1 समस्या का अर्थ

3.2 समस्या का स्वरूप

3.3 आर्थिक समस्या

3.3.1 अभावग्रस्त जीवन की समस्या

3.4 सामाजिक समस्या

3.4.1 अंधे कानून की समस्या

3.4.2 घटती मानवीयता की समस्या

3.4.3 जंगल तोड़ की समस्या

3.4.4 बढ़ती स्वार्थी वृत्ति की समस्या

3.4.5 भीषण युद्ध की समस्या

3.4.6 समाज में बढ़ते गैर कानूनी कार्य की समस्या

3.4.7 अनैतिक संबधों की समस्या

3.4.8 आत्मसम्मान की समस्या

3.4.9 प्रतिशोध की समस्या

3.4.10 समाज में बढ़ता खोखलेपन या दिखावटीपन की समस्या

3.4.11 पुरानी और नई पीढ़ी के बीच संघर्ष की समस्या

3.4.12 चापलुसी की समस्या

3.4.13 शोषण की समस्या

3.4.14 जातीभेद की समस्या

3.5 राजनीतिक समस्या

3.5.1 कुटनीति और धोखेबाजी की समस्या

3.5.2 समाज में बढ़ता भ्रष्टाचार

3.5.3 रिश्वतखोरी की समस्या

3.6 पारिवारिक समस्या

3.6.1 टूटते पारिवारिक संबंधो की समस्या

3.6.2 बदलते रिश्तों की समस्या

3.6.2.1 माता-पुत्र के टुटते संबध की समस्या

3.6.2.2 पति-पत्नी के टुटते संबध की समस्या

3.6.3 वृद्ध लोगों की समस्या

3.6.4 विवाह की सनस्या

3.6.4.1 प्रेम विवाह की समस्या

3.6.4.2 अनमेल विवाह की समस्या

3.6.4.3 दहेज की समस्या

3.6.5 आत्महत्या की समस्या

3.7 अंधविस्वास की समस्या

3.8 मनोवैज्ञानिक समस्या

3.8.1 चंचल वृत्ति की समस्या

3.8.2 कुंठित वासना की समस्या

3.8.3 आराजक वृत्ति की समस्या

निष्कर्ष

चतुर्थ अध्याय : "गिरिराज किशोर के नाटकों में चित्रित नारी की समस्याएँ"

107 -136

4.1 परिवार से पीड़ित नारी की समस्या

4.2 चंचल वृत्ती के नारी की समस्या

4.3 असाहय नारी की समस्या

4.4 स्वाभिमानी नारी की समस्या

4.5 अभावग्रस्त नारी की समस्या

4.6 पुलिस से पीड़ित नारी की समस्या

4.7 आश्रीत नारी की समस्या

4.8 बदनामी से पीड़ित नारी की समस्या

4.9 पिता से पीड़ित नारी की समस्या

4.10 पतिपरायण नारी की समस्या

4.11 राजनीति से पीड़ित नारी की समस्या

4.12 वृद्ध नारी की समस्या

4.13 नारी शिक्षा की समस्या

4.15 मानसिक पीड़ा से त्रस्त नारी की समस्या

4.16 अस्तीत्वहीन नारी की समस्या

4.17 अपमानीत नारी की समस्या

4.18 लैंगिक समस्या से पीड़ित नारी की समस्या

4.19 मर्यादाओं में दबी नारी की समस्या

4.20 पुत्र-शोक से पीड़ित नारी की समस्या

4.21 पश्चाताप से पीड़ित नारी की समस्या

निष्कर्ष

पंचम अध्याय : "मंचीयता के दृष्टि से गिरिराज किशोर के नाटक" 137 -156

5.1 रंगमंच का अर्थ

5.2 दृश्यसज्जा

5.3 अभिनय

5.3.1 अंगिक अभिनय

5.3.2 वाचिक अभिनय

5.3.3 सात्विक अभिनय

5.3.4 आहार्य अभिनय

5.4 प्रकाश-योजना

5.5 ध्वनी संकेत

- **निष्कर्ष**
- **उपसंहार** **157 - 168**
- **संदर्भ ग्रंथ सूची** **169 - 173**
- **परिशिष्ट**